Ex/Sans/ED/4.7/69/2018

BACHELOR OF ARTS EXAMINATION, 2018 (2nd Year, 4th Semester) SANSKRIT (ED)

Course: 4.7

[Ancient Indian Political Thought]

Full Marks: 30 Time: Two Hours

The figures in the margin indicate full marks.

Answer any four of the following questions :
 নিচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোন চারটির উত্তর দাও।

- (a) Write the meaning of the word त्रिवर्ग?

 त्रिवर्ग- শব্দের অর্থ লেখ।
- (b) What lies at the root of the vices?
 ব্যসনের মূল কারণ কী?
- (c) 'राजधर्मान् प्रवक्ष्यामि यथावृत्तो भवेन्नृप:।'
 What is the धर्म mentioned here?

 अचान धर्म वनाउ की निर्मिन कता राम्नाहरू
- (d) What is meant by the word 'जाङ्गलदेश: '? जाङ्गलदेश: বলতে কী বোঝায়?

[Turn over]

4

(e) Disjoin all the Samdhis and rewrite the follow sentence.	/ing
সন্ধিবিচ্ছেদপূর্বক বাক্যটি পুনরায় লেখ।	
तस्माद्धमं यिमष्टेषु स व्यवस्येन्नराधिपः।	
(f) How many বৰ্णs and সাপ্সমs are mentioned in Manusamhitā ?	the
মনুসংহিতায় বর্ণ এবং আশ্রম কয় প্রকার ও কী কী?	
(a) Discuss the opinion of Manu regarding the origin of king.	the 4
রাজার উৎপত্তি বিষয়ে মনুর মত আলোচনা কর।	
(b) From whom how many branches of learning should mastered by a king?	d be
রাজার কোন কোন বিষয় কার কাছ থেকে জানা উচিত?	
Or	
What is the opinion of Manu regarding the origin of sceptre?	the 4
দন্ডের উৎপত্তি বিষয়ে মনুর মত কী?	
Which king is unable to implement the scepter?	2
কোন রাজা যথাযথভাবে দন্ড প্রয়োগ করতে পারেন না?	
3. Explain any one of the following:	5

3. Explain any one of the following:

যে কোন একটির ব্যাখ্যা লেখ।

(a) अद्यात् काकः पुरोडाशंश्वावलिह्याद्भविस्तथा। साम्यं च न स्यात् कस्मिंश्चित् प्रवर्तेताधरोत्तरम्।।

[Turn over]

- (b) एवंवृत्तसस्य नृपतेः शिलोञ्छेनापि जीवतः। विस्तीर्यते यशो लोके तैलबिन्दुरिवाम्भसि।।
- Give an idea of the qualities of the kings of the solardynasty.

সূর্যবংশের রাজাদের গুণাবলীর বর্ণনা দাও।

Or

Write short note on any two of the following: य कान मृष्टित সংক্ষিপ্ত ঢীকা লেখ। दिलीप, क्षात्रधर्म, वैवस्वतो मनु:।

- 5. Translate the following verses into Bengali or English : বাংলা অথবা ইংরেজি ভাষায় অনুবাদ কর।
 - (a) न किलानुययुस्तस्य राजानो रिक्षतुर्यशः। व्यावृत्ता यत् परस्वेभ्यः श्रुतौ तस्करता स्थिता
 - (b) रेखामात्रमिप क्षुण्णादामनोर्वर्त्मन, परम्।न व्यतीयुः प्रजास्तस्य नियन्तुर्नेमिवृत्तयः।।
- 6. Explain:

ব্যাখ্যা কর :

5

आकारसदृशप्रज्ञः प्रज्ञया सदृशागमः। आगमैः सदृशारम्भ आरम्भसदृशोदयः।।

Or

सर्वातिरिक्तसारेण सर्वतेजोऽभिवाविना। स्थितः सर्वोन्नतेनोर्वी कान्ता मेरुरिवात्मना।।